एम. कॉम
प्रथम वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
(एम. कॉम)

एम. कॉम. (F&T)
एम. कॉम. (BP & CG)
एम. कॉम. (MA & FS)
के लिए भी

प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
2015–16

जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधो राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2015 और जनवरी 2016)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2015** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2016** है।

2. जो **जनवरी 2016** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2016** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं ता आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ. – 01
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. -01/टी.एम.ए./2015 –16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (a) भुगतान शेष को प्रभावित करने वाले कारकों की उदाहरण के साथ विवेचना कीजिए।

   (b) भुगतान शेष के असाम्य को संशोधित करने की विधियों की व्याख्या कीजिए।

   (10+10)

2. प्रोधोगिकी हस्तांतरण का क्या औचित्य है? TNCs तथा लघु व मध्यम उद्यमों द्वारा प्रौधोगिकी हस्तांतरण के गैर समता रुपों की विवेचना कीजिए।

   (5+15)

3. क्षेत्रीय आर्थिक समूहीकरण के विभिन्न प्रकार कौन से हैं? क्षेत्रीय आर्थिक समूहीकरण के प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

   (5+15)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

   (a) वैश्विक परिवेश राष्ट्रीय सीमाओं का अतिक्रमण नहीं करता है।
   (b) जब माल को एक ऐसे विक्रेता से वर्णन द्वारा खरीदा जाता है तो माल का व्यापार योग्य गुणवत्ता का होना एक निहित शर्त नहीं होता है।
   (c) विकासशील राष्ट्रों की निर्यात उपार्जन की अस्थिरता मांग और पूर्ति के कारकों से नहीं होती है।
   (d) भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवाओं का मुख्य स्थान नहीं हैं।

   (4×5)

5. निम्नलिखित पर नोट लिखिये:

   (a) अंतर्राष्ट्रीय विधिक परिवेश
   (b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मतभेदों के क्षेत्र
   (c) बेसल कन्वेंशन
   (d) माल के विक्रय में Lex Causae की लागूता

   (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी. ओ. – 02
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-02/टी.एम.ए./2015–16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. एक भारतीय कम्पनी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करना चाहती है। विदेश में कम्पनी एक दूसरी कम्पनी को मिलाना चाहती है। बताइए यहॉ प्रवेश का कौन सा तरीका अपनाया जायेगा और किन परिस्थितियों में यह उपयुक्त है।

(20)

2. निम्नलिखित में अन्तर बताइयेः

(क) वारंटी और गारंटी

(ख) प्रत्यक्ष निर्यात और अप्रत्यक्ष निर्यात

(10+10)

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखियेः

(क) निर्यात मूल्य निर्धारण

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन अनुसंधान की प्रक्रिया

(10+10)

4. (क) अंतर्राष्ट्रीय विपणन क्या है? यह घरेलु विपणन से किस प्रकार भिन्न है।

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय उत्पाद जीवन चक्र के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।

(10+10)

5. अन्तर्राष्ट्रीय बाजार विभक्तिकरण (खण्डीकरण) क्या है? अन्तर्राष्ट्रीय बाजार विभक्तिकरण के विभिन्न आधारों की व्याख्या कीजिए।

(20)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी.ओ. – 03
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	भारत का विदेश व्यापार
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-03/टी.एम.ए./2015–16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. विश्व व्यापार संगठन से आप क्या समझते हैं? विश्व व्यापार में इसकी क्या भूमिका है? विश्व व्यापार के साथ अपने आपको एकीकृत करने के लिए भारत के प्रयत्नों का उल्लेख कीजिए।

(5+5+10)

2. भारत सरकार की नई सीमा–शुल्क नीति ने औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में किस प्रकार योगदान किया है? इसकी विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

(10+10)

3. "भारतीय कपड़ा निर्यात क्षेत्र में वस्त्रों का योगदान सर्वोकृष्ट रहा है।" विवेचना कीजिए।

(20)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

(क) इलैक्ट्रानिक उत्पादों के निर्यात में भारत के प्रतिस्पर्धी

(ख) भारत में स्वास्थ सेवाओं की संभावनाएं

(10+10)

5. निम्नलिखित कथनों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिएः

(क) इलैक्ट्रानिक व्यापार विश्व की अर्थव्यवस्था को पुनर्निर्मित कर रहा है।

(ख) भारत सरकार ने वर्ष 1991 में व्यापार नीति में व्यापक परिवर्तन घोषित किए।

(ग) भारतीय कृषि की सर्वाधिक विशिष्टता उसकी विविधता है।

(ध) आसियान क्षेत्र भारत के लिए अनेक कारणो से महत्वपूर्ण है।

(4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी.ओ. – 04
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	निर्यात–आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-04/टी.एम.ए./2015–16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रलेखों की क्या आवश्यकता है? CIF अनुबंध के अर्न्तगत आवश्यक प्रलेखों की विशेषताओं की उपयुक्त उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए।

(6+14)

2. निर्यात राशि की वसूली के लिए निर्यातकर्ता को कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? उन्हें सुरक्षा के क्रम में अनुसूचित करें तथा प्रत्येक विकल्प में निहित जोखिमों का उल्लेख करें।

(20)

3. निम्नलिखित में भेद कीजिए:

   i) लाइनर जहाजी सेवाएं एवं ट्रैम्प जहाजी सेवाएं

   ii) युद्व जन्य जोखिम एवं हड़ताल जन्य जोखिम

(10+10)

4. समुद्री मार्ग से निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी की कार्यविधियों की व्याख्या कीजिए।

(20)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए:

   i) शुल्क वापसी योजना

   ii) शुल्क –मुक्त योजना

(10+10)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ. – 05
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अन्तर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. – 05 / **टी.एम.ए. / 2015 –16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. "भिन्न–भिन्न संगठनात्मक कार्यों के भिन्न–भिन्न हित होते हैं, जो लॉजिस्टिक्स प्रणाली के परस्पर विरोधी के लिये उद्देश्यों और आवश्यकताओं को पैदा करते है।" इस कथन का वर्णन कीजिए और लॉजिस्टिक्स प्रणाली के विभिन्न महत्वों की विवेचना कीजिए।

(20)

2. अन्तर्राष्ट्रीय समुंद्री लेन–देन और वाणिज्यिक शिपिंग के उन सामान्य क्षेत्रों को बताइए जहां छल और विवाद समान्यतः होते है और उन सामान्य रोकथाम उपायों को बताइए जो कि अन्तर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता को समुंद्री धोखाधड़ी की संभावनाओं से बचनें के लिए अपनाना चाहिए।

(20)

3. निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखिए।

(क) ABC तकनीक

(ख) टैन्क कंटेनर

(ग) समुंद्र यात्रा चार्टर

(घ) अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्य चैम्बर

(4×5)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइए।

(क) जहाज मालिक ग्रहणाधिकार और समुंद्री ग्रहणाधिकार

(ख) पलैट रैक कंटेनर और ओपेनटाप कंटेनर

(ग) भारी लिफ्ट और अधिक लम्बाई अधिभार

(घ) पुनः आर्डर स्तर (ROL) और पुनः आर्डर मात्रा (ROQ)

(4×5)

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :

(क) लॉजिस्टिक्स चर और लागत जटिल और अप्रत्यक्ष तरीके से परस्पर क्रिया करते है।

(ख) बहुप्रतिरूप परिवहन जस्ट इन टाइम अर्थात त्वरित परिवहन ठीक समय की अवधारणा पर आधारित है।

(ग) सामान्य मर्चेन्डाइज व्यापारी अधिक उत्तम जहाजी सेवा का उपयोग करना चाहता है।

(घ) भाड़ा दर का संबंध ले जाए जाने वाले रास्ते से नहीं होता।

(4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी. ओ. – 06
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-06/टी.एम.ए./2015–16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ब्याज दर समता, क्रय शक्ति समता तथा अंतर्राष्ट्रीय फिशर इफैक्ट में परस्पर तुलना कीजिए व अन्तर बताइए। (20)

2. एक फर्म द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के करेंसी एक्सपोजर की प्रत्येक के उदारण सहित चर्चा कीजिए। (20)

3. ऋण सिंडिकेट क्या है? एक सिंडिकेट बैंक ऋण का समझौता करने के महत्वपूर्ण पहलू क्या हैं? (6+14)

4. साख पत्र और बैंकर स्वीकृति क्या है? विदेशी व्यापार में इनका उपयोग क्यों होता है? प्रत्येक प्रपत्र के द्वारा विदेश व्यापार लेन देनों में आयातक और निर्यातक को दिए जाने वाले लाभों का वर्णन कीजिए। (6+6+8)

5. केन्द्रीकृत रोकड़ प्रबन्ध कार्य के लाभ एवं हानियां क्या है? लाभ बढ़ानें एवं हानियां कम करने के लिए एक फर्म को क्या करना चाहिए? (12+8)